मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# BSKC–104

## बी. ए. ( ऑनर्स ) संस्कृत
## ( बी. ए. एस. के. एच. )
## सत्रांत परीक्षा
## दिसम्बर, 2024
## बी.एस.के.सी.-104 : गीता में आत्म-प्रबन्धन

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट*** : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*(ii) प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में होना चाहिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही हो।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5×10=50

(क) योगी युञ्जीत सततमात्मानं रहसि स्थितः।
एकाकी यतचितात्मा निराशीर परिग्रहः॥

(ख) नात्यश्नतस्तु योगोऽस्ति न चैकांतमनश्नतः।
न चाति स्वप्नशीलस्य जाग्रतो नैव चार्जुन॥



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ग) यातयामं गतरसं पूति पर्युषितं च यत्।
उच्छिष्टमपि चामेध्यं भोदानं तापसप्रियम्॥

(घ) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफल हेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्व कर्मणि॥

(ङ) अथैतदप्यशक्तोऽसि कर्तुं मद्योगमाश्रितः।
सर्वकर्मफलत्यागं ततः कुरु यतात्मवाण्॥

(च) असंयतात्मना योगो दुष्प्राप इति मे मतिः।
वश्यात्मना तु यतता शक्योऽवाप्तुमुपायतः॥

(छ) नियतं कुरु कर्मत्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मणः॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों पर विस्तार से लिखिए : $3\times10=30$

(i) गीता का परिचय देते हुए उसके प्रयोजन पर विस्तारपूर्वक लिखिये।

(ii) ज्ञानयोग एवं व्यक्तियोग में क्या अन्तर है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(iii) गीता के आर्थिक महत्व पर विस्तारपूर्वक लिखिये।

(iv) गीता की मुख्य शिक्षाओं पर विस्तारपूर्वक लिखिये।



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(v) गीता के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

(vi) भगवद्गीता के अनुसार आत्म-प्रबन्धन के स्वरूप पर विस्तारपूर्वक लिखिये।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $4\times5=20$

(क) आहार नियन्त्रण

(ख) इन्द्रियाँ

(ग) स्थितप्रज्ञ

(घ) ज्ञानयोग

(ङ) कर्मयोग

(च) भक्तियोग

× × × × × × ×



Downloaded from www.IGNOUBABA.com